RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID-4000004011

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 7 | मूल्य - रू.1/- | जुलाई 2018 | पृष्ठ - 8

स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: सामाजिक संस्थाएं स्वस्थता (फिटनेस) की चुनौती स्वीकार करें.....3
महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान वर्ष 2018 बीजेएस कार्यकर्ताओं - समन्वयकों का किया गया सम्मान.....4
'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम पहुंचा आंध्रप्रदेश.....5
बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार 6
अल्पसंख्यक सूचनाएँ 7

आनंदित जीवन स्वस्थता से और स्वस्थता हेतु नियमित व्यायाम

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

शीतयुद्ध की समाप्ति और रूस के विभाजन के पश्चात् कुछ दशकों तक शांति का एहसास समस्त विश्व ने किया था किंतु वैश्विक महासत्ताओं का स्वयं को सर्वशक्तिमान दर्शाने का प्रदर्शन गत कुछ वर्षों में महत्वकांक्षाओं की सीमाओं को पार कर पुनः परस्पर प्रतिस्पर्धा के रूप में स्थापित हुआ है, फलस्वरूप उत्पन्न हो रहे असंतुलन से विश्व शांति के लिए खतरा बढ़ा है साथ ही आज विश्व के अणुयुद्ध के कगार पर खड़ा होने का डर सभी को सता रहा है. जून 2018 में अनेक सूचक घटनाएँ घटित हुई जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प एवं उत्तर कोरिया के प्रमुख श्री किम जोंग के मध्य सिंगापुर में आयोजित हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में समस्त विश्व इन दोनों देशों के मध्य बढ़े तनाव में कमी व परस्पर निकटता की अपेक्षा रख रहा है. दोनों देशों द्वारा प्रतिदिन दी जाने वाली धमकियों व अणुयुद्ध के मंडरा रहे खतरों से विश्व ने फिलहाल चैन की सांस ली है. आशा करें कि दोनों देशों के मध्य इस शिखर वार्ता के परिणाम शांतिमय विश्व की संकल्पना को साकार करेंगे.

मशहूर गज़ल ' पंखी, नदियां, पवन के झोंके, कोई सरहद इन्हें न रोके ', ये पंक्तियां मानव को उसके द्वारा निर्मित सीमाओं को तोड़ने की प्रेरणा देने हेतु पर्याप्त है. द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति पर लगभग समस्त विश्व साम्यवादी और सामंतवादी दो खेमों बंट गया. इतना नहीं कुछ देश जैसे जर्मनी तथा कोरिया क्रमशः पूर्व एवं पश्चिम जर्मनी तथा उत्तर व दक्षिण कोरिया दो भागों में बंट गए. जर्मनी के विभाजन की रेखा बर्लिन शहर में एक दीवार के निर्माण से अंकित कर दी गई. विभाजन की पीड़ा को जर्मनी की जनता ने अनेक दशकों तक सहा, किन्तु वर्ष 1990 में दोनों देशों की जनता ने विभाजन की प्रतीक उस दीवार को तोड़ कर दोनों देशों के शासकों को जर्मनी के एकीकरण हेतु मजबूर कर दिया था. यह घटना 1 जुलाई, 1990 को विश्व इतिहास में प्रजा की शक्ति तथा प्रबल दृढ़ संकल्प के रूप में अंकित की गई. आज हमारा समाज भी पंथों व जातियों तथा उपजातियों में विभाजित होकर क्रमशः कमजोर होता जा रहा है. वैचारिक मतभेदों के चलते प्रतिदिन नए बाड़ों और दीवारों का निर्माण हमारी दैनिक चर्या का हिस्सा बन चुका है. एक प्रबुद्ध समाज के लिए यह स्थिति कितनी योग्य है, यह गंभीर चिंतन का विषय है. खेद इस बात का है कि हमारे ही द्वारा निर्मित की जा रही स्थितियों से समाज दुर्बल और क्षीण हो रहा है जो स्वयं के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के समान है. हमारे समाज के भविष्य और अस्तित्व पर आज अनेक प्रश्न चिन्ह लगे हुए हैं, किन्तु अज्ञात कारणों से हम उन्हें नजर अंदाज़ करते चले आ रहे हैं. समाज का एकीकरण समय की मांग है, जिस हेतु बाड़ों को हटाने और दीवारों को तोड़ने में जर्मन प्रजा जैसी हिम्मत और संकल्प मात्र भी हमारे लिए पर्याप्त होंगें.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2018 को मनाया गया. योग प्राचीन भारतीय संस्कृति और विरासत से जुड़ा माना जाता रहा है. योग स्वस्थ्य जीवन जीने तथा मन को अनुशासित करने का माध्यम है. योग की उत्पत्ति व प्रचलन को लेकर विविध मान्यताएं हैं. वेदों व उपनिषदों में योग का उल्लेख मिलता है तथा इन कालों में लोगों का जीवन योग से निकटता से जुड़ा हुआ माना जाता है. 19वीं और 20वीं शताब्दी में योग भारत से पाश्चात्य जगत में पहुँचा जो 1980 के दशक में शारीरिक व्यायाम के रूप में लोकप्रिय हुआ, जबकि योग भारतीय परंपराओं में शरीर, मन, धर्म, दर्शन तथा आध्यात्म का संगम है. योग लक्ष्य प्राप्ति तथा मन को नियंत्रित करने हेतु एक अनुशासित विधि है. व्यक्ति व समाज दोनों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को लक्ष्य में लें तो वर्तमान आधुनिक जीवन में योग का महत्व आज भी शाश्वत है. नित बदलती जीवन शैली, बढ़ता भौतिकता का प्रभाव तथा मानसिक तनावों से ग्रस्त आम भारतीय का स्वास्थ्य (Fitness) अब समस्या का रूप ले रहा है, जिससे समाज स्वयं भी रुग्ण होता जा रहा है. व्यक्तिगत स्वास्थ्य, स्वस्थ समाज हेतु आवश्यक है. स्वास्थ्य के प्रति सचेत होकर एक स्वस्थ एवं सुदृढ़ समाज के निर्माण के प्रति दृढ़ संकल्पित होने के महत्व का संदेश देने का रचनात्मक प्रयास इस अंक में कर रहे हैं.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी,** अहमदाबाद **सुदर्शन जैन,** बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन,** इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी,** रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़,** इरोड़

मंथन

सामाजिक संस्थाएं स्वस्थता (फिटनेस) की चुनौती स्वीकार करें

"स्वस्थता" शब्द पूर्ण शारीरिक और भावनात्मक स्थितियों को संदर्भित करता है. स्वस्थता के प्रति जागरूकता ही हमारे उत्कृष्ट स्वास्थ को बनाए रखने में सहायक होती है. तनाव की स्थितियों का स्वस्थता से ही प्रतिकार कर सफल, दीर्घ एवं सक्रिय जीवन संभव है.

मानव के स्थायी आवास एवं वसन की प्रवृत्ति से आखेट युग का अंत और मानव विकास के नवीन युग का प्रारम्भ हुआ. इस युग में आदर्श जीवन पद्धतियों का विकास हुआ जिसे संस्कृति के नाम से जाना गया. सभ्यताएँ विश्व के जिस किसी भी भाग में विकसित हुई हों, विभिन्न संस्कृतियों को पोषित करती रहीं हैं, उन सभी में मानव स्वस्थता एवं स्वस्थ जीवन का महत्व सर्वोपरि रहा है. मशीन युग में प्रवेश के प्रश्चात समस्त दुनिया में शारीरिक श्रम का महत्व तथा आवश्यकता क्रमशः घटती चली गई जिसका प्रतिकूल प्रभाव गत कुछ शताब्दियों से व्यक्तिगत व सामाजिक स्वस्थता पर स्पष्ट रूप से पड़ा है. भौतिक सुख साधनों के इस आधुनिक युग में मशीनों का गुलाम बनकर मानव व्यक्तिगत स्वस्थता से खिलवाड़ करने को आमादा है और इस वास्तविकता से हम सभी भलीभांति परिचित भी हैं.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2018 को समस्त विश्व में उत्साह पूर्वक मनाया गया. योग भारतीय संस्कृति की देन है, जिसमें शारीरिक स्वास्थ के साथ-साथ स्वस्थ समाज की रचना के मद्देनजर भावात्मक, मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक स्वस्थता को समान महत्व दिया गया है. वैदिक एवं उपनिषद काल से ही भारतीय योग बहुआयामी रहा है. गत कुछ शताब्दियों में देशवासियों ने योग को लगभग भुला ही दिया था किन्तु कुछ विशिष्ट प्रयासों से भारत ही नहीं समस्त विश्व में योग पुर्नस्थापित हुआ और आज इसके प्रति जूनुन एक शुभ संकेत है.

गत माह भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान श्री विराट कोहली ने प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी को शारीरिक फिटनेस हेतु चुनौती दी जिसे उन्होंने स्वीकार कर सभी को अचंभित कर दिया. फिटनेस के प्रति जागरूकता एवं इस तरह परस्पर चुनौती में अगर अभिवृद्धि हुई तो इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखना समाज हित में होगा.

आईये! हम सब मिलकर व्यक्तिगत एवं सामाजिक फिटनेस के अर्थ एवं महत्व को समझे. व्यक्तिगत फिटनेस से अभिप्राय है सम्पूर्ण शरीर की योग्य कार्यक्षमता, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार तथा आवश्यक विश्राम द्वारा रोगों से बचाव. मानसिक स्वस्थता से अभिप्राय न केवल अवसाद, चिंता या किसी अन्य तरह के विकारों की अनुपस्थिति से है अपितु व्यक्ति की भावात्मक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक तथा वैचारिक सुखाकारिता से है, जो जीवन का आनंद, संतुलित जीवन, सुरक्षा की अनुभूति तथा क्षमताओं के अनुरूप परिणाम प्राप्ति को सुलभ बनाता है. शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता परस्पर गुथी हुई है जिसे समग्रता से समझना होगा. व्यक्तिगत फिटनेस का जितना महत्व है उतना ही महत्व समाज की फिटनेस का भी है.

हमारे समाज की मानसिक, सामाजिक व मनोवैज्ञानिक स्वस्थता कैसी है ? यह एक यक्ष प्रश्न है जो हम सभी के समक्ष है. इस प्रश्न का उत्तर देना तो बहुत दूर की बात है, हमने तो आज तक स्वस्थ समाज की अवधारणा को संभवतः ठीक से समझने का प्रयास भी नहीं किया है. यह कोई अतिशयोक्ति नहीं अपितु कठोर वास्तविकता है. परिवर्तन की आंधियों के चलते व्यक्तिगत जीवन शैली में आये बदलावों के फलवरूप, समाज में रुग्णता की स्थितियों का निर्माण हो रहा है. इस तथ्य को स्वीकार करने में तनिक भी संकोच नहीं होना चाहिए कि हम एक रुग्ण समाज के सदस्य हैं.

विचार करना होगा कि वर्तमान में हमारा सामाजिक ढांचा कितना हष्टपुष्ट है? समाज आज भी घिसी-पीटी परम्पराओं को आदर्श मानकर बैठा हैं. समय की गति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में वह असमर्थ है, जो उसकी रुग्णता का परिचायक है. इन सब हेतु सामाजिक संस्थाओं की अप्रचलित पारम्परिक कार्य पद्धति ही उत्तरदायी है. सामाजिक संस्थाओं का हष्टपुष्ट होना देश की प्रगति के लिए समय की मांग है. समाज और सामाजिक संस्थाओं का ध्येय राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में रचनात्मक सहभागिता करना होना चाहिये जो उसके सदस्यों के सम्पूर्ण स्वस्थता पर निर्भर है.

भारतीय जैन संघटना एक ऐसा सामाजिक संगठन है जिसे समय के साथ चलने में महारथ प्राप्त है. भारतीय जैन संघटना के संस्थापक आदरणीय श्री शांतीलाल मुथ्था शारीरिक, मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक फिटनेस के प्रति सजग रहते हैं, परिणामस्वरूप यह संस्था राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उतरोत्तर सहभागिता में वृद्धि कर रही है. इसने गति (speed), व्यापकता (scale) एवं कौशल्य (skill) आदि के मापदण्डों पर आधारित कार्यपद्धति को अपनाकर स्वयं को एक सम्पूर्ण स्वस्थ एवं हष्टपुष्ट सामाजिक संस्था के रूप में स्थापित किया है. हष्टपुष्ट संस्था होने की चुनौती को स्वीकार करने के उत्तरदायित्व को सभी सामाजिक संगठन समझे, यह आदर्श समाज एवं सुदृढ़ राष्ट्र हेतु आवश्यक है.

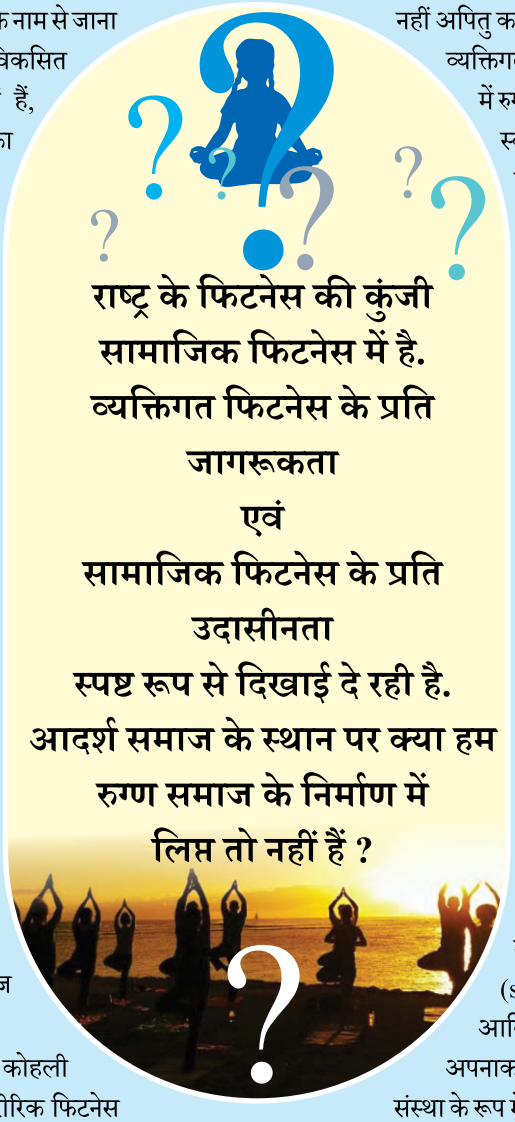

राष्ट्र के फिटनेस की कुंजी सामाजिक फिटनेस में है. व्यक्तिगत फिटनेस के प्रति जागरूकता एवं सामाजिक फिटनेस के प्रति उदासीनता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है. आदर्श समाज के स्थान पर क्या हम रुग्ण समाज के निर्माण में लिप्त तो नहीं हैं ?

महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान वर्ष 2018
बीजेएस कार्यकर्ताओं - समन्वयकों का किया गया सम्मान

सूखा मुक्त महाराष्ट्र अभियान 2018 के तहत् सत्यमेव जयते वाटर कप स्पर्धा दिनांक 8 अप्रैल से 22 मई तक 45 दिनों में संपन्न हुई.
महाराष्ट्र के हजारों देहातों के लाखों ग्रामीणों एवं आम नागरिकों ने सामूहिक श्रमदान से इस अभियान को सफल बनाया.

सामूहिक विवाह एवं मूल्यवर्धन के प्रणेता आपदा प्रबंधन के पथप्रदर्शक तथा वरिष्ठ सामाजिक वैज्ञानिक भारतीय जैन संघटना के संस्थापक आदरणीय श्री शांतिलाल मुथ्था ने बीड़ जिले में वर्ष 2013 में दुष्काल मुक्त अभियान के अनुभव के आधार पर वर्ष पानी फाउंडेशन के सत्यमेव जयते वाटर कप स्पर्धा-2017 में 13 जिले के 30 तहसील में 490 मशीनों (271जेसीबी + 219 पोकलेन) द्वारा सहयोग प्रदान किया था, जिसमें 336 गाँवों को सूखा मुक्त करने में ग्रामवासियों के सामूहिक श्रमदान के अतिरिक्त 74 हजार घंटे मशीनों से कार्य संपन्न हुआ था.

इस वर्ष सत्यमेव जयते वाटर कप स्पर्धा-2018 में महाराष्ट्र के 24 जिले के 75 तहसील के 1500 गाँव में 1624 मशीनों (940 पोकलेन + 684 जेसीबी) द्वारा 852610 घंटे कार्य संपन्न हुआ तथा संपन्न कार्य से 5100 करोड़ क्यूबिक मीटर गाल (Silt) निकाली गई जिससे 5100 करोड़ लीटर पानी संचयन की क्षमता बढ़ी. सूखा मुक्ति अभियान की सफलता में राज्य सरकार व प्रशासन का मौलिक सहयोग प्राप्त हुआ.

इस अभियान की योजना के सफल कार्यान्वयन हेतु बीजेएस ने 116 समन्वयकों की नियुक्ति कर उन्हें प्रशिक्षण दिया. इसके अतिरिक्त बीजेएस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का जिला एवं तहसील समन्वयक के रूप मे चयन कर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौपी गई. सभी ने चिलचिलाती धूप में भी तहेदिल से अथाह परिश्रम कर अभियान की सफलता में रचनात्मक योगदान दिया. नियुक्त 116 समन्वयकों का सम्मान पुणे स्थित बीजेएस कार्यालय में श्री शांतीलाल मुथ्था ने दिनांक 11 जून को किया.

इसी प्रकार बीजेएस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का जिन्होंने इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया तथा नियुक्त किए गए राज्य, जिला एवं तहसील स्तरीय समन्वयकों का सम्मान समारोह सहकार भवन, अहमदनगर में श्री शांतीलाल मुथ्था के करकमलों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुदर्शन जैन, महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष श्री अमर गांधी, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री हस्तीमल मुनोत एवं श्री शरद मुनोत, महाराष्ट्र राज्य प्रभारी श्री हस्तीमल बंब तथा राष्ट्रीय व राज्य के पदाधिकारियों, तहसील तथा ग्रामीण कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में दिनांक 24 जून, 2018 को संपन्न हुआ. कार्यक्रम का संचालन श्री अमर गांधी, प्रस्तावना श्री सुदर्शन जैन, मनोगत श्री प्रफुल्ल पारख, मार्गदर्शन, अहवाल प्रस्तुति एवं मूल्यवर्धन की जानकारी श्री शांतिलाल मुथ्था ने प्रदान की. सुजलाम-सुफलाम बुलढाणा के लिए संपन्न सराहनीय कार्यो की जानकारी श्री राजेश देशलहरा एवं बुलढाणा टीम ने प्रस्तुत की. भारतीय जैन संघटना के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया. इन सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी भावनाएं एवं विचार भी व्यक्त किया.

इस ऐतिहासिक कार्य से जनमानस ने समाज एवं संघटना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की. श्री आदेश चंगेडीया, अहमदनगर जिला समन्वयक ने आयोजित इस कार्यक्रम की सफलता के लिए अथक परिश्रम किए, एतदर्थ उपस्थित सभाजनों ने उनका हार्दिक अभिनंदन किया.

'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम पहुंचा आंध्रप्रदेश

40 हजार बेटियों को सक्षम करने का ध्येय

युवतियाँ 21 वीं सदी की सामाजिक चुनौतियों को कैसे समझे व उनसे कैसे निपटें ? इस उद्देश्य से स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम बनाया गया है. पिछले कुछ वर्षों में युवतियों के आत्मसम्मान व सुरक्षा का मुद्दा व परिवारिक सम्बंधों के प्रति समझ आदि विषय में युवतियों को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी हम सब पर है. इस विषय में आंध्रप्रदेश सोशल वेलफेयर रेसिडेंसियल एज्युकेशनल इंस्टिट्यूट सोसायटी (APSWREIS) एवं भारतीय जैन संघटना, पुणे के मध्य युवतियों को सक्षम करने हेतु MOU पर हस्ताक्षर किये गये.

इसके तहत् APSWREIS के 122 रेसिडेंसियल गर्ल्स स्कूल की 40 हजार युवतियों को सक्षम करने के लिए टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किये गये. कार्यक्रम के अनुसार APSWREIS के टीचर्स को 18 से 20 जून को विशाखापट्टनम में 32 तथा 21 से 23 जून को विजयवाड़ा में 42 टीचर्स को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के ट्रेनर बनाने का प्रशिक्षण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने दिया. दिनांक 10 से 12 जुलाई तक अनंतपुर में टीचर्स ट्रेनिंग आयोजित किया गया है. प्रशिक्षित टीचर्स ने अभी तक 20 स्मार्ट गर्ल कार्यशालाओं के अम्ध्य्म से 835 गर्ल्स को सक्षम किया गया है.

मैसूर (कर्नाटक) में आयोजित 'स्मार्ट गर्ल कार्यशालायें

1. सिर्वी भवन,मैसूर – 16-17 जून – प्रशिक्षिका: श्रीमती संगीता श्रीश्रीमाल - 90 गर्ल्स
2. स्थानक भवन,मैसूर – 16-17 जून – प्रशिक्षक: श्री पीयूष बलाई, शिमोगा- 43 गर्ल्स
3. सद्विद्या पी.यू.कालेज,मैसूर – 16-17 जून – प्रशिक्षक : श्री राजेश सिसोदिया - 50 गर्ल्स
4. गोपाल स्वामी पी.यू.कालेज मैसूर – 16-17 जून – प्रशिक्षिका: श्रीमती धनलक्ष्मी - 29 गर्ल्स
5. सद्विद्या हाई स्कूल,मैसूर –23-24 जून – प्रशिक्षिका :श्रीमती संगीता श्रीश्रीमाल- 45 गर्ल्स
6. कार्मिल इंग्लिश कान्वेंट, नंजनगुड – 6-7 जुलाई – प्रशिक्षिका: श्रीमती संगीता श्रीश्रीमाल - 50 गर्ल्स
7. कार्मिल इंग्लिश कान्वेंट, नंजनगुड – 6-7 जुलाई – प्रशिक्षक: विकास गुलेचा - 50 (विशेष सहयोग-श्री प्रकाश गुलेच्छा, मैसूर)

1

2

1

3

4

5

6

7

राष्ट्रीय अध्यक्ष का विभिन्न राज्यों के दौरे का शुभारंभ गुजरात से हुआ

भारतीय संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेश कोठारी अहमदाबाद ने गुजरात का राज्य व्यापी दौरा 30 जून से 4 जुलाई, 2018 तक 1800 किलोमीटर का प्रवास कर पूर्ण किया, जिसमें 15 जिलों व 17 चैप्टर्स के 250 से अधिक बीजेएस पदाधिकारियों के मध्य बीजेएस के कार्यक्रमों के समाज व देश हित में महत्व से अवगत कराने के साथ उनके आयोजन करने हेतु आवश्यक वातावरण का निर्माण किया गया.

श्री पारख एवं श्री कोठारी ने गुजरात राज्य का दौरा 30 जून को अहमदाबाद से रवाना होकर प्रात: नडियाद, दोप. में आनंद-विद्यानगर, अपरान्ह-वडौदा, सांय भरूच पहुंचे. 1 जुलाई को वापी, वलसाड, गांधीनगर, 2 जुलाई को हिम्मतनगर, पालनपुर, मेहसाणा, सुरेंद्रनगर तथा 3 जुलाई को जामनगर, राजकोट एवं अहमदाबाद कार्यकर्ताओं के बीच बैठक की.

इस दौरे में बड़ी सभाओं को संबोधित करने के स्थान पर बीजेएस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से प्रत्यक्षत: विचार विमर्श कर राष्ट्र हित व समाज के प्रति उत्तरदायितवों के निर्वहन में बीजेएस के कार्यक्रमों की उपयोगिता को समझने की प्रार्थना की गई. राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेश कोठारी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने बीजेएस के विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तार से चर्चा करते हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में चेतना फूंकने व जागृति लाने का सफल प्रयास किया गया.

युवती सक्ष्मीकरण कार्यक्रम 'स्मार्ट गर्ल' को वेग देकर अधिक से अधिक आयोजन करने हेतु सहमति बनाई गई. इसके अतिरिक्त अल्पसंख्यक लाभ कार्यशालाएँ, परिचय सम्मेलन, युगल सशक्तिकरण और व्यापार विकास आदि कार्यक्रमों के आयोजन हेतु पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया.

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख 16 से 19 जुलाई तक मध्यप्रदेश दौरे पर

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख 16 से 19 जुलाई तक मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के दौरे पर रहेगें, 4 दिन में 15 शहरों में बीजेएस एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों से बैठक कर भेट करेगें. इस दौरान बीजेएस कार्यक्रमों के क्रियान्यवन हेतु विस्तृत रुपरेखा पर चर्चा की जायेगी.
बीजेएस राज्य सचिव श्री वीरेन्द्र नाहर ने बताया कि श्री पारख 16 जुलाई को इंदौर से रवाना होकर सुबह देवास, दोप. शाजापुर एवं सायं उज्जैन पहुंचेगें. 17 जुलाई को नीमच, मंदसौर, जावरा एवं रतलाम, 18 जुलाई को धार, झाबुआ, कुक्षी, अंजड तथा 19 जुलाई को खरगोन, खंडवा व बुरहानपुर के दौरे पर रहेगें.
इस दौरान मध्यप्रदेश-पश्चिम के आगामी अध्यक्ष श्री दिलीप दोशी साथ रहेगें.

महाराष्ट्र में 'व्यवसाय विकास कार्यक्रम' की कार्यशालायें : श्री राकेश जैन वड़ोदरा

टेंभुणी - दिनांक : 29 जून, प्रतिभागी: 200

सोलापुर सिटी - दिनांक: 30 जून, प्रतिभागी: 200

करमाला - दिनांक : 30 जून, प्रतिभागी: 270

मंगलवेढा - दिनांक: 1 जुलाई, प्रतिभागी: 250

बार्शी - दिनांक :1 जुलाई, प्रतिभागी: 225

अल्पसंख्यक सूचनाएँ

बीजेएस अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान
विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण कार्यशालें हुई आयोजित

अल्पसंख्यक अधिकारों एवं लाभों पर भारतीय जैन संघटना के अल्पसंख्यक लाभ जन-जागृति अभियान के तहत् व्यावहारिक सेवाएँ समाजजन को समाज द्वारा ही प्रदान की जाये इस अवधारणा के साथ वर्ष 2017 में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियों में ऑनलाइन आवेदन की पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं पर मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के 100 से अधिक समाज कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया था जिन्होने निःस्वार्थ भाव से समाज के विद्यार्थियों के ऑनलाईन आवेदन करने की बहुमूल्य सेवाएँ प्रदान की थी.

इस क्रम में दिनांक 16 जून को खुरई जिला-सागर (मध्यप्रदेश) में 30, कोयम्बतूर में दिनांक 23 जून को 30, चैन्नई में दिनांक 28 जून को 35 तथा बैंगलोर में 29 जून को 17 समाज के कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन आवेदन की पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं पर प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत् अल्पसंख्यक मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं की नियमों सहित सम्पूर्ण जानकारी तथा इंटरनेट से सुसज्ज कंप्यूटर पर प्रेक्टिकल प्रशिक्षण भारतीय जैन संघटना माइनॉरिटि नॉलेज सेंटर के प्रभारी एवं मुख्य प्रशिक्षक श्री निरंजन जुंवा जैन, अहमदाबाद द्वारा दिया गया. इन प्रशिक्षणार्थियों में जैन शिक्षण संस्थान के शिक्षकों का समावेश है जो यह सेवा सभी अल्पसंख्यक विद्यार्थियों हेतु उनके शिक्षण संस्थान में प्रदान करेंगे.

अल्पसंख्यक धार्मिक अधिकारों पर विशेष सेमिनार कोयम्बतूर में हुआ आयोजित

दिनांक 24 जून, 2018 को बीजेएस कोयम्बतूर एवं श्री जैन महासंघ, कोयम्बतूर के संयुक्त तत्वावधन में अल्पसंख्यक धार्मिक अधिकारों एवं लाभों पर विशेष सेमिनार का आयोजन कोयम्बतूर के अतिरिक्त आसपास के अन्य जिलों के धार्मिक ट्रस्टों के ट्रस्टियों, प्रशासकों तथा वरिष्ठ समाजजन हेतु आयोजित हुआ.

बीजेएस अल्पसंख्यक लाभ जन-जागृति अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री निरंजन जुंवा जैन ने संविधान के अनुच्छेद 25 से 30 में उल्लेखित विविध अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए समाजजन को अधिकारों के उपभोग हेतु जागृत करते हुए धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के महत्व, आवश्यकता प्रबंध हेतु आवश्यक कार्यवाही की पद्धति से अवगत किया. श्री जुंवा ने केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा संचालित 'हमारी धरोहर' योजना व राज्यों की विविध योजनाओं का लाभ लेने हेतु आव्हान किया साथ ही समाज की राज्यवार धार्मिक आवश्यकताओं के अनुरूप धार्मिक अधिकारों के अनुसंधान में योजनाएं प्रस्तावित कर राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु आग्रह किया.

जैन शिक्षण संस्थाओं हेतु संवैधानिक अधिकारों पर सेमिनार का आयोजन

दिनांक 17 जून, 2018 को खुरई जिला-सागर (मध्यप्रदेश) में स्थित SP JAIN गुरुकुल हायर सेकण्डरी स्कूल में तथा 29 जून, 2018 को आदर्श कॉलेज बैंगलोर में शिक्षण संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों व अल्पसंख्यक दर्जा लेने की विधियों पर सेमिनार का आयोजन हुआ जिसमें श्री निरंजन जुंवा जैन ने शिक्षण संस्थाओं के ट्रस्टियों व प्रबंधनकर्ताओं को अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की व प्रशनों के उत्तर देने के साथ शंकाओं पर आवश्यक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए.

बीजेएस कर्नाटक के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री अशोक जैन श्रीश्रीमाल दावनगिरी ने शिमोगा में अल्पसंख्यक अधिकारों एवं लाभों तथा ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया सम्बन्धी जानकारी पर पर कार्यशाला में समाजजन को संबोधित किया

SAVE THE DATE

15TH and 16TH December 2018

SAVE THE DATE

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

NATIONAL CONVENTION 2018 @ Bengaluru

Venue: Palace Grounds, Airport Road, Bengaluru

BJS National Business Conclave

Learn - Lead - Succeed

@ Indore : 1-2 September 2018

Roadmap for growth & success in your business

Star Attractions

- Great Business Leaders
- Top management exports
- Business growth stories
- Start up success stories
- Business growth funde
- Life management mantras
- Best professional support
- Pan-India networking
- B2B meet ups
- Best Hospitality in 5 star resort
- Most important-YOU are in the focus

Contact:		
Prafulla Parakh	National President	94221 01198
Rakesh Jain 'Prakhar'	Conclave Chairman	98260 35523
Anil Ranka	Conclave Secretary	94249 25000
Dilip Doshi	MP State President	94066 09998
Hemlata Ajmera	Club President	93003 04247
Shailesh Vaid	Club Secretary	98932 43198

Block your dates & Register now

http://bjsindia.org/business/

BJS Bharatiya Jain Sanghatana

Join iBuD Dubai-2

(1st October to 5th October 2018)

iBuD DUBAI

Hurry! limited seats

CONTACT US

- Convener -
Shri. Virendra Jain 93297 55599

- Resource Person -
Shri. Rakesh Jain 98260 35523

For further information Contact BJS Head Office
Shri. Shashikant Munot : 94204 77052 / 020-6605 0220

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID 4000004011
Published on 07.07.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.07.2018

If undelivered Please Return To

BJS Bharatiya Jain Sanghatana

Muttha Chambers II, Senapati Bapat Road, Pune 411016
Tel. : 020 6605 0220
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था चेम्बर्स -२ , सेनापति बापट मार्ग, पुणे – 411016 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 6605 0220